

राज्यपाल ने विश्वविख्यात बाँसुरी वादक पं. हरप्रसाद चौरसिया को प्रदान किया 'महाराजा हनवंतसहि मारवाड़ संगीत रत्न पुरस्कार'

चर्चा में क्यों?

7 अगस्त, 2023 को जोधपुर में राई का बाग स्थिति राजमाता कृष्णाकुमारी गर्लस पब्लिक स्कूल में मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट एवं स्वर सुधा, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हजि हाईनेस महाराजा हनवंतसहि मारवाड़ संगीत रत्न पुरस्कार समारोह में राज्यपाल कलराज मशिर ने विश्वविख्यात बाँसुरी वादक पंडित हरप्रसाद चौरसिया को 'महाराजा हनवंतसहि मारवाड़ संगीत रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया।

प्रमुख बंदि

- राज्यपाल ने पंडित हरप्रसाद चौरसिया को शॉल, शरीफल और एक लाख रुपए का चेक प्रदान कर पुरस्कृत किया।
- राजस्थान पर्यटन विकास नगिम के पूर्व अध्यक्ष गज सहि ने बताया कि इस पुरस्कार की परंपरा रही है कि यह हमेशा राज्यपाल द्वारा ही प्रदान किया जाता रहा है।
- इस अवसर पर पं. हरप्रसाद चौरसिया की दो शिष्याओं देबोप्रिया एवं सुचस्मिता चटर्जी तथा तबला संगीतकार आशीष रागवानी (मुंबई) ने भाग लिया।
- राज्यपाल ने पं. हरप्रसाद चौरसिया के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के खास पहलुओं की चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत को जसि तरह से उन्होंने अपनी बाँसुरी से समृद्ध-संपन्न किया है, वह हमारे देश की थाती है। चौरसिया ने संगीत के माधुर्य और पारंपरिक राग-संगीत की पुरातन वरिसत को नरितर संपन्न किया है।
- वदिति है कि महाराजा हनवंतसहि ने राजशाही के जमाने में लोकतंत्र को सुदृढ़ करने का कार्य किया था और अद्भुत कर्मयोग का परचिय देते हुए अपार लोकप्रथिता पाते हुए जन-जन के प्रथि बने।
- इन्हीं के शासनकाल में मारवाड़ी काश्तकारी व भू-राजस्व अधिनियम को सबसे पहले प्रारंभ करने का क्रांतिकारी, प्रगतशील कार्य हुआ, जसिसे लाखों किसान एक ही दनि में अपने खेतों के स्थाई खातेदार बन गए।
- हनुवंतसहि में संगीत प्रेम, भू-राजस्व, लोकतंत्र के प्रत आस्था और योगदान तथा पोलो मैच के प्रत रुझान सहति कई वलिक्षणताओं का समावेश था।



PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/maharaja-hanwant-singh-marwar-sangeet-ratna-award>

